भारत का विदेश व्यापार: 2012-13 *

इस लेख में अप्रैल-जून 2012-13 (पहली तिमाही) के दौरान के भारत के पण्य व्यापार की समीक्षा की गई है जो कि वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएंडएस) द्वारा जारी आंकड़ों पर आधारित है। इसमें वर्ष 2011-12 की अवधि के अलग-अलग पण्य-वार और दिशा-वार विवरण का भी विश्लेषण किया गया है।

मुख्य-मुख्य बातें

- 2012-13 की पहली तिमाही के दौरान 75.2 बिलियन अमरीकी डॉलर का निर्यात हुआ जो 1.7 प्रतिशत की कमी दर्शाता है जबकि 2011-12 की पहली तिमाही में 36.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। 2011-12 के उत्तरार्ध में निर्यात में देखी महत्त्वपूर्ण मंदी 2012-12 की पहली तिमाही में जारी रही जिसका कारण वैश्विक आर्थिक और व्यापार की स्थिति का प्रतिकूल बना रहना था।
- 2012-13 की पहली तिमाही के दौरान 115.3 बिलियम अमरीकी डॉलर का आयात हुआ जो 2011-12 की समरूप तिमाही की तुलना में 6.1 प्रतिशत की कमी को दर्शाता है। 2011-12 की पहली तिमाही के दौरान आयत में कमी से मुख्य रूप से स्वर्ण और चांदी के आयात में कमी तथा पेट्रोलिम, तेल और चिकनाई के आयात में हुई थोड़ी वृद्धि का पता चलता है।
- 2012-13 की पहली तिमाही के दौरान पेट्रोलियम, तेल और चिकनाई के आयात में 2011-12 की पहली तिमाही में 52.5 प्रतिशत की दर से हुए आयात की तुलना में 5.5 प्रतिशत की निम्न दर से हुई वृद्धि होने का आंशिक कारण कच्चे तेल के अंतरराष्ट्रीय मूल्यों में कमी हो सकता है।
- 2012-13 की पहली तिमाही के दौरान स्वर्ण और चांदी का आयात 9.4 बिलियन अमरीकी डॉलर का हुआ, जो 2011-12 की पहली तिमाही के आयात की तुलना में 48.4 प्रतिशत कम था।
- 2012-13 की पहली तिमाही के दौरान तेल से भिन्न और स्वर्ण से भिन्न आयात 65.3 बिलियन अमरीकी डॉलर का हुआ, जो 2.9 प्रतिशत की कमी को दर्शाता है जबकि पिछले वर्ष की पहली तिमाही में 18.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी।
- 2012-13 की पहली तिमाही के दौरान व्यापार घाटा 40.1 बिलियन अमरीकी डॉलर रहा जो 2011-12 की पहली तिमाही के 46.2 बिलियन अमरीकी डॉलर के व्यापार घाटे की तुलना में कम था।
- पण्य-निर्यात के पण्य-वार आंकड़े दर्शाते हैं कि 2011-12 के दौरान के भारतीय निर्यात में 89 प्रतिशत से अधिक का योगदान इंजीनियरिंग सामान, पेट्रोलियम उत्पाद, रसायन, वस्त्र, रत्न और आभूषण तथा कृषि उत्पादों का था।
- 2011-12 के दौरान भारत के कुल पण्य-निर्यात में से यूरोपीय संघ के देशों को हुए निर्यात का हिस्सा कुछ कम हो गया, वहीं ओपेक देशों के संबंध में इसमें दो प्रतिशत से अधिक अंकों की कमी हुई।

I. भारत का पण्य-व्यापार

निर्यात (अप्रैल-जून 2012)

2011-12 के उत्तरार्ध में भारत के निर्यात की वृद्धि कम होने लगी थी जो 2012-13 की पहली तिमाही में ऋणात्मक हो गई। इससे वैश्विक आर्थिक मंदी के जारी रहने तथा विश्व व्यापार में कमी आने का पता चलता है (चार्ट 1)।

2012-13 की पहली तिमाही में 75.2 बिलियन अमरीकी डॉलर का निर्यात हुआ जिसमें 2011-12 की पहली तिमाही में हुई 36.4 प्रतिशत वृद्धि की तुलना में 1.7 प्रतिशत की कमी हुई (सारणी 1 एवं विवरण 1)। 2011-12 के उत्तरार्ध में रुपये के अवमूल्यन के बाद भी 2012-13 की पहली तिमाही में निर्यात में और अधिक कमी जारी रही क्योंकि व्यापार की सहभागी प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं से सुधार के कोई संकेत प्राप्त नहीं हुए और विशेषरूप से यूरो क्षेत्र की अर्थव्यवस्थाओं की संभावनाओं पर मंडरा रहे जोखिमों में भी नकारात्मक पहलू विद्यमान रहा।

पण्य-वार और गंतव्य स्थान-वार निर्यात (2011-12)

निर्यात के पण्य-वार आंकड़े मार्च 2012 तक उपलब्ध हैं जिनसे पता चलता है कि कुल पण्य-निर्यात में विनिर्माण क्षेत्र का योगदान 2010-11 में 62.9 प्रतिशत था जो 2011-12 में थोड़ा घटकर 61.3 प्रतिशत रह गया। हालांकि, इस अवधि में पेट्रोलियम उत्पादों और प्राथमिक उत्पादों से संबंधित योगदान में वृद्धि हुई (सारणी 2)। विनिर्माण क्षेत्र के अंतर्गत, इंजीनियरिंग वस्तुओं और वस्त्रों तथा वस्त्र उत्पादों का योगदान घटा जबकि रसायन और संबधित उत्पादों के योगदान में थोड़ी वृद्धि हुई।

* आर्थिक और नीति अनुसंधान विभाग के अंतरराष्ट्रीय व्यापार और वित्त प्रभाग में तैयार किया गया। इस विषय पर पिछला लेख रिज़र्व बैंक के जून 2012 के बुलेटिन में प्रकाशित किया गया था।

चार्ट 1 : भारत का वाणिज्य वस्तुओं का व्यापार

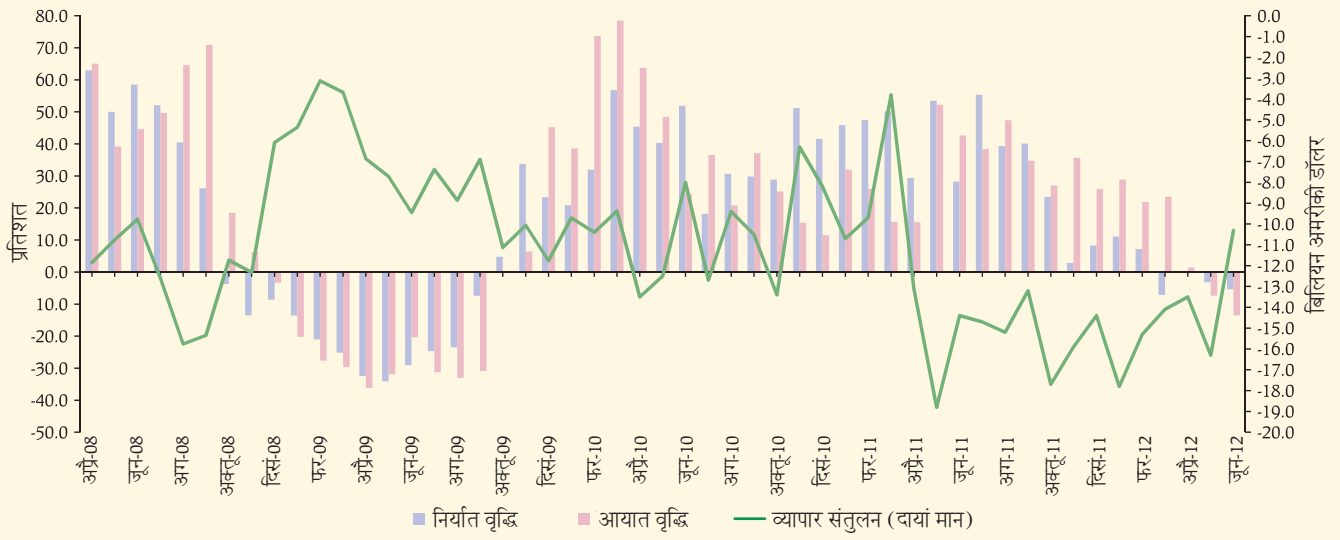

प्रमुख क्षेत्रों में से, 2011-12 के दौरान विनिर्माण क्षेत्र से निर्यात में वृद्धि काफी प्रभावित हुई प्रतीत होती है।विनिर्माण क्षेत्र के अंतर्गत इंजीनियरिंग वस्तुओं और वस्त्र उत्पादों के निर्यात में वृद्धि अपेक्षाकृत कम रही क्योंकि अमरीका और यूरोप जैसे महत्त्वपूर्ण बाजारों में मांग की स्थिति कमजोर थी। इंजीनियरिंग और वस्त्र क्षेत्र से कुल निर्यात का लगभग 60 प्रतिशत और 50 प्रतिशत हिस्सा इन दोनों बाजारों से संबंधित था। इंजीनियरिंग क्षेत्र के अंतर्गत, परिवहन उपस्करों, लोहा और इस्पात, इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं और धातु के उत्पादों का निर्यात काफी प्रभावित हुआ जबकि मशीनरी और उपकरणों के निर्यात में थोड़ी कमी आई। हालांकि, चमड़ा और उसके उत्पाद तथा रसायन और संबंधित उत्पादों के निर्यात में 2010-11 की तुलना में 2011-12 में अपेक्षाकृत अधिक वृद्धि हुई।

सारणी 1 : भारत का वाणिज्य वस्तुओं का व्यापार

(बिलियन अमरीकी डॉलर)

मद	2010-11 सं	2011-12 अ	2011-12	2012-13
	अप्रैल-मार्च		अप्रैल-जून	
	1	2	3	4
निर्यात	**251.1**	**304.6**	**76.5**	**75.2**
	(40.5)	(21.3)	(36.4)	-(1.7)
तेल निर्यात	**41.5**	**55.6**	**15.3**	-
	(47.1)	(34.0)	(76.2)	
तेल से इतर निर्यात	**209.6**	**249.0**	**61.2**	-
	(39.2)	(18.8)	(29.1)	
आयात	**369.8**	**489.4**	**122.7**	**115.3**
	(28.2)	(32.4)	(36.3)	-(6.1)
तेल आयात	**106.0**	**154.9**	**39.4**	**41.6**
	(21.6)	(46.2)	(52.5)	(5.5)
तेल से इतर आयात	**263.8**	**334.5**	**83.3**	**73.7**
	(31.1)	(26.8)	(29.7)	-(11.6)
तेल से इतर और स्वर्ण से इतर आयात	**223.3**	**278.3**	**67.2**	**65.3**
	(29.3)	(24.6)	(18.9)	(-2.9)
व्यापार शेष	**-118.7**	**-184.8**	**-46.2**	**-40.1**
तेल व्यापार शेष	**-64.5**	**-99.3**	**-24.1**	**-**
तेल से इतर व्यापार शेष	**-54.2**	**-85.5**	**-22.1**	**-**

सं. : संशोधित **अ.** : अनंतिम '-' : अनुपलब्ध
नोट : कोष्ठक में दिए गए आँकड़े पिछले वर्ष की समरूप अवधि की तुलना में प्रतिशत परिवर्तन दर्शाते हैं।
स्रोत : वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय तथा वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकी महानिदेशालय के आंकड़ों से संकलित।

सारणी 2: भारत का प्रमुख वस्तुओं का निर्यात

(प्रतिशत हिस्सा)

पण्य समूह	2010-11	2011-12
	अप्रैल-मार्च	
	1	2
I. **प्राथमिक उत्पाद**	**13.1**	**15.0**
कृषि और संबद्ध उत्पाद	9.6	12.3
अयस्क और खनिज	3.4	2.7
II. **विनिर्मित वस्तुएं**	**62.9**	**61.3**
चमड़ा और विनिर्मित वस्तुएं	1.6	1.6
रसायन और संबंधित उत्पाद	11.5	12.2
इंजिनियरिंग सामान	23.1	22.0
वस्त्र और वस्त्र उत्पाद	9.6	9.2
रत्न और आभूषण	16.1	15.4
III. **पेट्रोलियम उत्पाद**	**16.5**	**18.3**
IV. **अन्य**	**7.5**	**5.4**
कुल निर्यात	**100**	**100**

स्रोत : वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकी महानिदेशालय के आंकड़ों से संकलित।

2011-12 में पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात में 34.0 प्रतिशत वृद्धि हुई जबकि 2010-11 में इसमें 47.1 प्रतिशत वृद्धि हुई थी। प्राथमिक उत्पादों के अंतर्गत, अयस्कों और खनिजों के निर्यात में कमी जारी रही (विवरण 2)। लौह अयस्क के निर्यात में कमी राज्यों, नामतः कर्नाटक, ओरिसा और गोवा में खनन में लंबे समय से लगी रोक के कारण थी। इसके अलावा, 2011-12 में लौह अयस्क के निर्यात पर चुंगी दो बार बढ़ाई गई थी, पहली बार मार्च 2011 में तथा उसके बाद 30 दिसंबर 2011 में, जिससे कुल चुंगी बढ़कर 30 प्रतिशत हो गई।

2011-12 में यूरोपीय संघ और ओपेक संघ के देशों के भारतीय निर्यात के हिस्से में 2010-11 की तुलना में कमी आई (सारणी 3)। हालांकि, वर्ष के दौरान भारत के निर्यात में विकासशील देशों (ओपेक के अंतर्गत के विकासशील देशों को छोड़कर) और अमरीका का हिस्सा अपेक्षाकृत अधिक रहा।

गंतव्य स्थान-वार, 2011-12 में भारत के निर्यात की दृष्टि से संयुक्त अरब अमीरात 11.8 प्रतिशत हिस्से के साथ में प्रमुख गंतव्य स्थान बना रहा। इसके बाद के क्रम में अमरीका (11.3 प्रतिशत), चीन (5.9 प्रतिशत), सिंगापुर (5.5 प्रतिशत) और हांगकांग (4.2 प्रतिशत) का स्थान रहा। 2011-12 के दौरान भारत के कुल निर्यात का लगभग 39 प्रतिशत निर्यात इन पांच देशों को किया गया। 2011-12 में भारत से जर्मनी, नीदरलैंड्स, इटली औरे बेल्जियम को किए जाने वाले निर्यात में कमी से यूरोप में विद्यमान अनिश्चितताओं का पता चलता है। भारत से फ्रांस को किए जाने वाले निर्यात में 11.5 प्रतिशत की कमी हुई। जापान, सार्क क्षेत्र, अफ्रीका और लैटिन अमरीकी देशों को निर्यात वृद्धि में भी कमी देखी गई (विवरण 3)।

सारणी 3: भारत का प्रमुख क्षेत्रों को निर्यात

(प्रतिशत हिस्सा)

क्षेत्र / देश	2010-11	2011-12
	अप्रैल-मार्च	
	1	2
I. आर्थिक विकास और सहयोग संगठन के सदस्य देश	**33.2**	**33.8**
यूरोपीय संघ	18.3	17.2
उत्तरी अमेरिका	10.6	11.9
अमेरिका	10.1	11.3
एशिया और ओशिआनिया	2.8	3.0
आर्थिक विकास और सहयोग संगठन के अन्य देश	1.5	1.6
II. पेट्रोलियम निर्यातक देशों का संगठन	**21.3**	**19.0**
III. पूर्वी यूरोप	**1.1**	**1.1**
IV. विकासशील देश	**38.2**	**40.7**
एशिया	27.9	29.6
सार्क	4.6	4.3
अन्य एशियाई विकासशील देश	23.3	25.3
चीनी गणराज्य	6.2	5.9
अफ्रीका	6.3	6.7
लैटिन अमेरिका	4.0	4.4
V. अन्य/ अविनिर्दिष्ट	**6.2**	**5.4**
कुल निर्यात	**100**	**100**

स्रोत : वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकी महानिदेशालय के आंकड़ों से संकलित।

आयात (अप्रैल-जून 2012)

2012-13 की पहली तिमाही के दौरान 115.3 बिलियन अमरीकी डॉलर का आयात हुआ जिसमें 6.1 प्रतिशत की कमी (एक वर्ष पहले 36.3 प्रतिशत) हुई (विवरण 2)। आयात वृद्धि में कमी में 'स्वर्ण और चांदीट के आयात में कमी की भूमिका अग्रणी रही और पेट्रोलियम, तेल और चिकनाई के आयात में कमी भी महत्त्वपूर्ण रही जो समग्र रूप से 2012-13 की पहली तिमाही के कुल पण्य-आयात का 44.1 प्रतिशत हिस्सा होता है। 2012-13 की पहली तिमाही में पेट्रोलियम, तेल और चिकनाई की आयात वृद्धि घटकर 5.5 प्रतिशत रह गई (2011-12 की पहली तिमाही में 52.5 प्रतिशत थी) जिससे कच्चे तेल के अंतरराष्ट्रीय मूल्यों में कमी का पता चलता है। 2012-13 की पहली तिमाही के दौरान भारतीय समूह के कच्चे तेल का औसत मूल्य 107.5 अमरीकी डॉलर प्रति बैरल रहा जो 2011-12 की पहली तिमाही के दौरान के मूल्य 113.0 अमरीकी डॉलर प्रति बैरल की तुलना में लगभग 5.0 प्रतिशत कम रहा (सारणी 4)। 2012-13 की पहली तिमाही के दौरान स्वर्ण आयात में कमी के लिए घरेलू बाजार में स्वर्ण का अधिक मूल्य (रुपये के अवमूल्यन और सीमा कर बढ़ने के कारण) और स्वर्ण आभूषणों तथा निवेश-स्वर्ण की कम होती उपभोक्ता मांग को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। तेल से भिन्न और स्वर्ण से भिन्न वस्तुओं का आयात 65.3 बिलियन

सारणी 4: कच्चे तेल के मूल्य की प्रवृत्तियां

(अमरीकी डॉलर प्रति बैरल)

अवधि	दुबई	ब्रेंट	डब्लूटीआई *	भारतीय हिस्सा **
	1	2	3	4
2005-06	53.5	58.2	59.8	55.7
2006-07	61.0	64.3	64.7	62.5
2007-08	77.3	82.3	82.1	79.2
2008-09	82.1	84.8	85.8	83.6
2009-10	69.5	69.8	70.5	69.8
2010-11	86.7	84.2	83.3	85.1
2011-12	110	114.4	97.3	111.6
2012-13(ति1)	106.2	108.9	93.4	106.9

* पश्चिम टेक्सास मध्यवर्ती।
** 1 अप्रैल 2011 से कच्चे तेल के भारतीय हिस्से के घटक साउअर ग्रेड के लिए ओमान तथा दुबई और स्वीट ग्रेड के लिए ब्रेंट (दिनांकित) को 65.2:34.8 के अनुपात में दर्शाते हैं।
स्रोत : अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, *ग्लोबल इकोनॉमिक मॉनीटर कमोडिटीज* : पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, भारत सरकार।

अमरीकी डॉलर का रहा जिसमें पहली तिमाही के दौरान 2.9 प्रतिशत की कमी हुई जबकि 2011-12 की समरूप तिमाही में 18.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी।

पण्य-वार और देश-वार आयात (2011-12)

2011-12 के लिए पण्य-वार आयात के संबंध में उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार पेट्रोलियम और पेट्रोलियम उत्पाद भारत के आयात की प्रमुख मदें बने रहे। इनके बाद पूंजीगत वस्तुओं और स्वर्ण तथा चांदी का स्थान रहा। भारत के कुल पण्य-आयात में लगभग 31.7 प्रतिशत हिस्से वाले पेट्रोलियम, पेट्रोलियम उत्पादों तथा संबंधित वस्तुओं के आयाता में 2011-12 में 46.2 प्रतिशत वृद्धि हुई जबकि 2010-11 में इसमें 21.6 प्रतिशत वृद्धि हुई थी। स्वर्ण और चांदी के आयात में 44.4 प्रतिशत वृद्धि हुई जो 2010-11 में हुई 43.5 प्रतिशत वृद्धि की तुलना में थोड़ी अधिक थी। इससे 2011-12 में स्वर्ण के अंतरराष्ट्रीय मूल्यों में वृद्धि होने के बावजूद स्वर्ण की मांग अधिक होने का पता चलता है। 2011-12 के दौरान स्वर्ण आयात में मूल्य की दृष्टि से (44.4 प्रतिशत) अंतरराष्ट्रीय मूल्यों में हुई वृद्धि (27.2 प्रतिशत) की तुलना में अधिक वृद्धि से स्वर्ण आयात की वृद्धि में मूल्य के साथ-साथ मात्रात्मक पहलू के योगदान का भी पता चलता है (विवरण 4)। हालांकि, 2011-12 में हुए 334.5 बिलियन अमरीकी डॉलर के तेल से भिन्न आयात में 26.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई जबकि 2010-11 में इसमें 31.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। तेल से भिन्न आयातों में कमी मुख्य रूप से निर्यात से संबधित वस्तुओं के आयात में हुई काफी कमी के कारण हुई। विशेषरूप से मोती, कीमती और कम कीमती पत्थरों के आयात में कमी हुई। 2011-12 में पूंजीगत वस्तुओं के आयात में समग्ररूप से अधिक वृद्धि होने के बावजूद कुछ श्रेणियों की पूंजीगत वस्तुओं, नामतः मशीनी औजार तथा धातु से निर्मित वस्तुओं के आयात में कमी देखी गई (सारणी 5 तथा विवरण 4)।

2011-12 के दौरान भारत को यूरोपियन संघ से होने वाले कुल आयात में थोड़ी कमी हुई और यह 11.7 प्रतिशत रहा जोकि 2010-11 के दौरान 12.0 प्रतिशत था। दूसरी तरफ, 2011-12 में ओपेक समूह के देशों और अफ्रीका के हिस्से में वृद्धि हुई (सारणी 6)। देश-वार देखा जाए तो कुल आयात में से 11.8 प्रतिशत हिस्से के साथ चीन आयात का सबसे बड़ा स्रोत बना रहा। इसके बाद संयुक्त अरब अमीरात, स्विटजरलैंड, सउदी अरब और अमरीका का स्थान रहा। भारत के कुल आयात में संयुक्त रूप से इन पांच देशों का योगदान 37 प्रतिशत रहा। भारत के आयात में ओपेक देशों के अंतर्गत इंडोनेशिया, ईराक, कुवैत और सउदी अरब के हिस्से में काफी वृद्धि हुई जिससे 2011-12 के दौरान संभवतः पेट्रोलियम, तेल और चिकनाई के अधिक आयात होने का पता चलता है। इसके

सारणी 5: प्रमुख पण्यों के आयात

(प्रतिशत हिस्सा)

पण्य /समूह	2010-11	2011-12
	अप्रैल- मार्च	
	1	2
1. पेट्रोलियम, कच्चा तेल और उत्पाद	28.7	31.7
2. पूंजीगत माल	21.2	20.3
3. सोना और चांदी	11.5	12.5
4. कार्बनिक और अकार्बनिक रसायन	4.1	3.9
5. कोयला, कोक और ब्रिकेट, आदि	2.7	3.6
6. उर्वरक	1.9	2.4
7. धातुमय अयस्क, धातु स्क्रैप आदि	2.6	2.7
8. लोहा और इस्पात	2.8	2.4
9. मोती, बहुमूल्य और कम कीमती पत्थर	9.4	6.2
10. अन्य	15.1	14.3
कुल आयात	100.0	100.0

स्रोत : वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकी महानिदेशालय के आंकड़ों से संकलित।

विपरीत, भारत के कुल आयात में ईरान का हिस्सा 2011-12 में घटकर 2.8 प्रतिशत रह गया जो 2010-11 में 3.0 प्रतिशत था। फिर भी, 2011-12 के दौरान संयुक्त अरब अमीरात को छोड़कर सभी ओपेक देशों से आयात में तेजी से वृद्धि हुई (विवरण 5)।

सारणी 6: भारत के आयात में समूहों/देशों के हिस्से

(प्रतिशत हिस्सा)

क्षेत्र / देश	2010-11	2011-12
	अप्रैल- मार्च	
	1	2
I. आर्थिक विकास और सहयोग संगठन के सदस्य देश	**30.6**	**29.7**
यूरोपीय संघ	12.0	11.7
फ्रांस	1.0	0.8
जर्मनी	3.2	3.2
यूके	1.5	1.5
उत्तरी अमेरिका	6.0	5.3
अमेरिका	5.4	4.8
एशिया और ओशिआनिया	5.4	5.7
आर्थिक विकास और सहयोग संगठन के अन्य देश	7.2	7.0
II. पेट्रोलियम निर्यातक देशों का संगठन	**33.6**	**35.4**
III. पूर्वी यूरोप	**1.5**	**1.7**
IV. विकासशील देश	**33.0**	**32.3**
एशिया	27.1	25.8
सार्क	0.6	0.5
अन्य एशियाई विकासशील देश	26.5	25.3
जिनमें से:		
चीनी गणराज्य	11.8	11.8
अफ्रीका	3.6	4.0
लैटिन अमेरिका	2.4	2.4
V. अन्य/ अविनिर्दिष्ट	**1.3**	**0.9**
कुल आयात	**100.0**	**100.0**

स्रोत : वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकी महानिदेशालय के आंकड़ों से संकलित।

चार्ट 2 : उत्पादन और निर्यात की वैश्विक वृद्धि

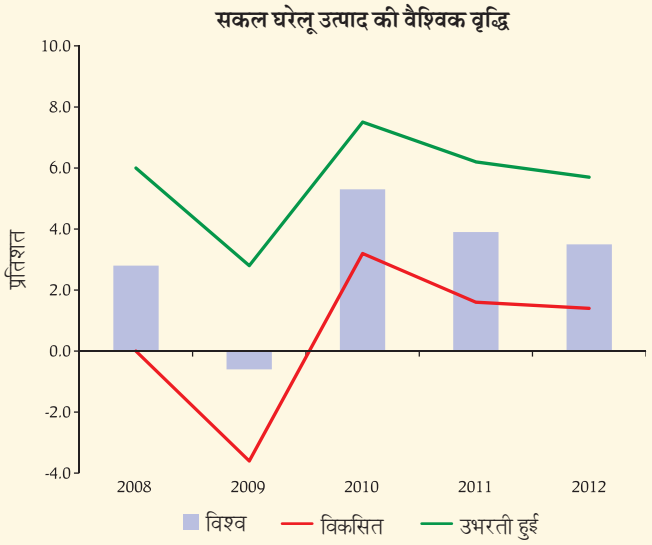

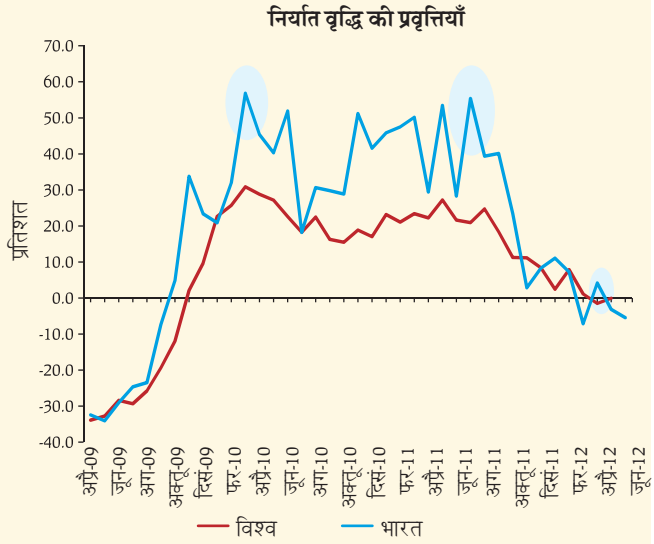

व्यापार घाटा

निर्यात की तुलना में आयात में कमी होने के कारण 2012-13 की पहली तिमाही में व्यापार घाटा 40.1 बिलियन अमरीकी डॉलर था, जो कि 2011-12 की पहली तिमाही के 46.2 बिलियन अमरीकी डॉलर की तुलना में कम था (विवरण 1)।

II. वैश्विक व्यापार

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सांख्यिकी (जुलाई 2012) के अनुसार 2011-12 के दौरान वैश्विक पण्य-निर्यात में 14.8 प्रतिशत वृद्धि हुई जोकि 2010-11 के दौरान हुई 21.2 प्रतिशत वृद्धि से कम रही (चार्ट 2)। उन्नत अर्थव्यवस्थाओं की विकास की कमजोर हो गई दशाओं के कारण उभरती और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं से संबंधित बाहरी मांग दशाओं में 2011-12 के उत्तरार्ध में कमी आना प्रारंभ हो गया। परिणामस्वरूप, भारत के निर्यात की वृद्धि में भी सहगामी कमी देखी गई जोकि 2010-11 में हुई वृद्धि की तुलना में लगभग आधी रह गई। इसके अलावा, भारत जैसे विकासशील देशों पर शुरुआती प्रभावों के कारण उन्नत देशों की वृद्धि में कमी का जोखिम और अधिक बढ़ गया। 2012 की पहली तिमाही (जनवरी-मार्च) के दौरान वैश्विक स्तर पर व्यापार में कुछ सुधार होने के बावजूद अप्रैल 2012 से यूरो क्षेत्र के वित्तीय बाजार में तनाव के पुनः प्रकट हो जाने और कारोबारी तथा उपभोक्ता के विश्वास में कमी के कारण आने वाले समय में यूरो क्षेत्र के देशों की आयात मांग कम रह सकती है। जुलाई 2012 के नवीनतम विश्व आर्थिक परिदृश्य (डब्लूईओ) के आंकड़ों में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने 2012 के दौरान उन्नत अर्थव्यवस्थाओं से संबंधित निर्यात की मात्रा में वृद्धि के 2.3 प्रतिशत अनुमानों को ही दोहराया है जबकि उभरती और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के संबंध में विश्व आर्थिक परिदृश्य को संशोधित करते हुए इसे 6.6 प्रतिशत से घट कर 5.7 किया गया है।

विभिन्न देशों के निर्यातों की तुलना से पता चलता है कि 2010-11 और 2011-12 के दौरान मुख्य उन्नत और उभरती और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के मध्य भारत के निर्यात में सर्वाधिक वृद्धि हुई जिसके कारण वैश्विक निर्यात में भारत के हिस्से में तदनुरूप वृद्धि हुई (सारणी 7)। इसके अलावा, वैश्विक अर्थव्यवस्था में धीमे सुधार, यूरोजोन से संबंधित सार्वत्रिक ऋण संकट के फैलने वाले प्रभाव तथा भू-राजनैतिक जोखिमों के चलते भारत के निर्यात जोखिम का बढ़ना जारी रहा।

वैश्विक पण्य-मूल्य

सभी पण्यों के मूल्य 2010-11 के 24.0 प्रतिशत के स्तर की तुलना में 2011-12 के दौरान घटकर 19.8 प्रतिशत के स्तर पर आ जाने के कारण 2011-12 के दौरान वैश्विक पण्य-मूल्यों में कमी बनी रही। प्रमुख पण्यों के मध्य, धातुओं की मूल्य वृद्धि में तेजी से गिरावट आई। 2010-11 में धातु की मूल्य वृद्धि 40.2 प्रतिशत थी जो 2011-12 में घटकर 3.0 प्रतिशत रह गई जिसका मुख्य कारण वैश्विक मांग में निरंतर कमी और निकट भविष्य में वैश्विक आर्थिक संभावनाओं की अनिश्चितता थी (चार्ट 3)। इसके अलावा, 2012-13 की पहली तिमाही में खाद्य वस्तु, धातु एवं ऊर्जा जैसे सभी प्रमुख पण्यों की वृद्धि दर (वर्ष-दर-वर्ष) ऋणात्मक हो गई क्योंकि विश्व भर में और विशेषरूप से यूरोप और चीन, कमजोर होती मांग और अधिक कमजोर हो गई। वृद्धि की चिंताओं के अलावा, उच्च और बढ़ते हुए भंडार के कारण

सारणी 7: वृद्धि दरें तथा निर्यातों के हिस्से - विभिन्न देशों की तुलना

(प्रतिशत)

क्षेत्र / देश	2009-10	2010-11	2011-12	2009-10	2010-11	2011-12
	वृद्धि दर			हिस्सा		
	1	2	3	4	5	6
विश्व	**-11.6**	**21.0**	**14.3**	**100.0**	**100.0**	**100.0**
विकसित अर्थव्यवस्थाएं	**-10.7**	**17.3**	**11.5**	**62.6**	**60.7**	**59.2**
अमेरिका	-9.2	20.4	13.3	8.4	8.4	8.3
फ्रांस	-11.9	8.0	9.5	3.7	3.3	3.2
जर्मनी	-12.6	12.9	12.4	8.9	8.3	8.1
जापान	-8.9	24.1	4.3	4.9	5.0	4.5
उभरते और विकासशील देश	**-13.2**	**27.4**	**18.2**	**37.7**	**39.7**	**41.1**
सिंगापुर	-6.1	27.3	11.9	2.2	2.3	2.3
चीन गणराज्य : मुख्य भूमि	-7.0	30.6	16.1	9.7	10.4	10.6
भारत	**-3.5**	**40.5**	**21.3**	**1.4**	**1.6**	**1.7**
इंडोनेशिया	0.9	29.1	20.4	1.0	1.1	1.1
कोरिया गणराज्य	-1.7	27.2	12.7	3.0	3.1	3.1
मलेशिया	-7.0	20.0	11.2	1.3	1.3	1.3
थाईलैंड	-1.5	26.9	8.5	1.2	1.3	1.2

स्रोत : 1. अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (www.imfstatistics.org)
2. भारत के लिए वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकी महानिदेशालय।

अधिकांश धातुओं के मूल्य कम हो गए। 2012-13 की पहली तिमाही में, विशेषरूप से जून के महीने में कच्चे तेल के मूल्य कम हो गए जिसका कारण न सिर्फ वैश्विक वृद्धि की चिंताएं थीं बल्कि ईरान से संबंधित तेल आपूर्ति की सीमाओं में छूट और तेल उत्पादन के कोटे में ओपेक देशों से अधिक की वृद्धि भी स्पष्ट कारण थे। इसी प्रकार से, वैश्विक उपभोग में अपेक्षित कमी और आपूर्ति में वृद्धि के कारण 2012-13 की पहली तिमाही में कोयले के मूल्यों में कमी आई।

चार्ट 3 : वैश्विक पण्य मूल्य

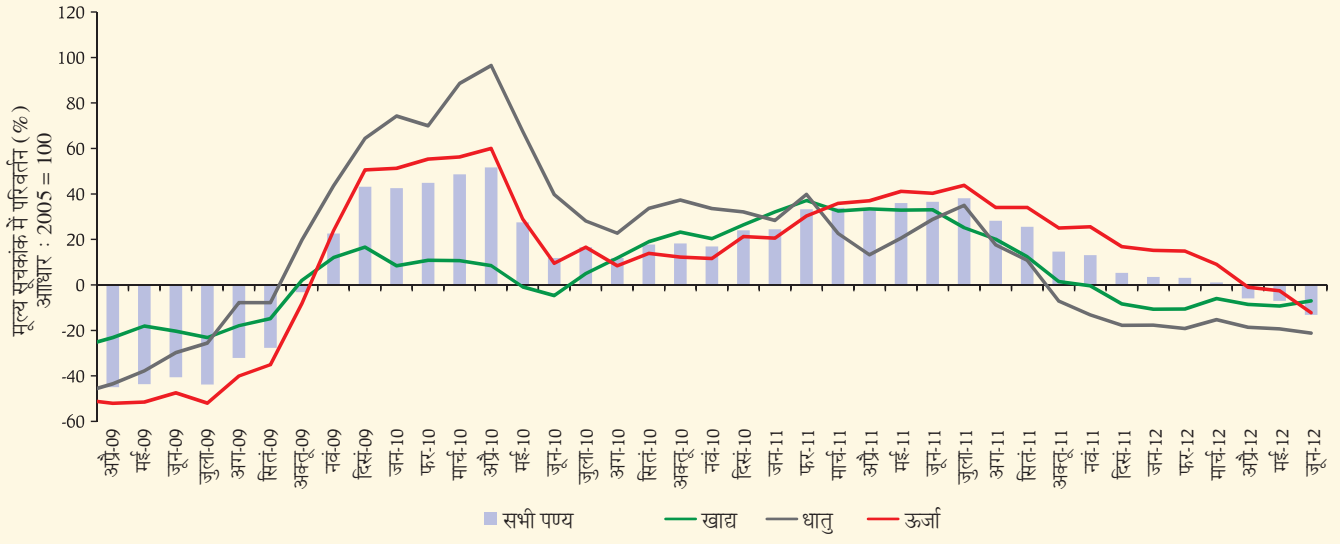

विवरण 1: भारत का विदेश व्यापार

वर्ष	निर्यात			आयात			व्यापार शेष		
	कुल	तेल	तेल से इतर	कुल	तेल	तेल से इतर	कुल	तेल	तेल से इतर
	1	2	3	4	5	6	7	8	9
अप्रैल-जून									
करोड़ रुपये									
2010-11	256129.8 (36.8)	39631.0 (83.1)	216498.9 (30.7)	410636.1 (35.0)	117799.0 (45.4)	292837.1 (31.2)	-154506.3	-78168.0	-76338.3
2011-12 सं	342163.6 (33.6)	68330.0 (72.4)	273833.6 (26.5)	549000.6 (33.7)	176274.0 (49.6)	372726.6 (27.3)	-206837.0	-107944.0	-98893.0
2012-13 अ	407056.0 (19.0)	-	-	623266.6 (13.5)	224801.5 (27.5)	398465.2 (6.9)	-216210.7	-	-
मिलियन अमरीकी डॉलर									
2010-11	56088.2 (46.1)	8674.4 (95.6)	47413.7 (39.6)	90070.7 (44.3)	25855.5 (55.3)	64215.2 (40.3)	-33982.6	-17181.1	-16801.5
2011-12 सं	76507.5 (36.4)	15283.0 (76.2)	61224.5 (29.1)	122741.5 (36.3)	39425.0 (52.5)	83316.5 (29.7)	-46233.9	-24142.0	-22091.9
2012-13 अ	75204.0 -(1.7)	-	-	115259.4 -(6.1)	41585.0 (5.5)	73674.4 -(11.6)	-40055.5	-	-

अ: अनंतिम सं.: संशोधित -: अनुपलब्ध

टिप्पणी : 1. कोष्ठकों के आंकड़े पिछले वर्ष की संगत अवधि की तुलना में प्रतिशत घटबढ़ से संबंधित हैं।

2. डेटा कनवर्जन आवधिक औसत विनिमय दर का प्रयोग करते हुए किया गया है।

स्रोत : वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकी महानिदेशालय।

विवरण 2: भारत द्वारा प्रमुख पण्यों का निर्यात

(मिलियन अमरीकी डॉलर)

पण्य / समूह	अप्रैल-मार्च			प्रतिशत घटबढ़	
	2009-10	2010-11सं	2011-12अ	(3)/(2)	(4)/(3)
	1	2	3	4	5
I. प्राथमिक उत्पाद	**26,396.5**	**32,844.7**	**45,574.0**	**24.4**	**38.8**
अ. कृषि एवं संबद्ध उत्पाद	**17,734.1**	**24,207.6**	**37,420.8**	**36.5**	**54.6**
जिसमें से:					
1. चाय	620.4	736.2	863.7	18.7	17.3
2. कॉफ़ी	428.3	660.6	946.0	54.2	43.2
3. चावल	2,372.3	2,542.9	5,032.8	7.2	97.9
4. गेहूँ	0.0	0.2	213.6	-	-
5. कपास तथा कच्चा सूत	2,010.2	2,888.4	4,512.1	43.7	56.2
6. तंबाकू	915.7	874.7	836.0	-4.5	-4.4
7. काजू, सीएसएनएल सहित	596.3	626.2	928.6	5.0	48.3
8. मसाले	1,297.8	1,765.4	2,749.3	36.0	55.7
9. तैलीय भोजन	1,650.8	2,429.5	2,454.4	47.2	1.0
10. समुद्री उत्पाद	2,086.7	2,615.6	3,461.4	25.3	32.3
11. चीनी और शीरा	27.4	1,236.4	1,874.6	-	51.6
आ. अयस्क और खनिज	**8,662.5**	**8,637.1**	**8,153.3**	**-0.3**	**-5.6**
जिसमें से:					
1. लौह अयस्क	5,978.9	4,700.3	4,421.2	-21.4	-5.9
2. संसाधित खनिज	1,231.4	2,177.3	1,827.4	76.8	-16.1
II. विनिर्मित माल	**1,15,180.7**	**1,57,993.9**	**1,86,784.2**	**37.2**	**18.2**
जिसमें से:					
अ. चमड़ा और विनिर्मित वस्तुएं	**3,361.1**	**3,910.6**	**4,788.5**	**16.3**	**22.4**
आ. रसायन और संबंधित उत्पाद	**22,908.8**	**28,871.0**	**37,190.5**	**26.0**	**28.8**
1. मूल रसायन, औषधि और प्रसाधन सामग्री	15,767.5	19,305.0	24,439.9	22.4	26.6
2. प्लास्टिक और लिनोलियम उत्पाद	3,354.1	4,674.2	6,356.2	39.4	36.0
3. रबड़, ग्लास, पेंट्स और एनामेल आदि,	2,752.5	3,595.9	4,771.0	30.6	32.7
4. अवशिष्ट रसायन एवं संबद्ध उत्पाद	1,034.7	1,296.0	1,623.4	25.3	25.3
इ. इंजिनियरिंग सामान	**38,271.3**	**58,137.4**	**67,093.1**	**51.9**	**15.4**
जिसमें से:					
1. धातुओं से बनी वस्तुएं	5,523.0	8,456.0	9,615.0	53.1	13.7
2. मशीनरी और उपकरण	9,539.0	11,839.0	14,364.4	24.1	21.3
3. परिवहन उपकरण	9,824.3	16,048.5	20,905.7	63.4	30.3
4. लोहा और इस्पात	3,622.2	5,113.3	6,447.3	41.2	26.1
5. इलेक्ट्रॉनिक सामान	5,458.2	8,203.7	8,894.9	50.3	8.4
ई. वस्त्र और वस्त्र उत्पाद	**19,853.0**	**24,225.0**	**27,998.0**	**22.0**	**15.6**
1. रूई के धागे, कपड़े, निर्मित वस्त्र आदि	3,684.2	5,785.6	6,805.1	57.0	17.6
2. प्राकृतिक सिल्क धागे, कपड़े, निर्मित वस्त्र आदि (अवशिष्ट रेशम सहित)	302.7	374.2	208.4	23.6	-44.3
3. मानव निर्मित धागे, कपड़े, निर्मित वस्त्र आदि	3,602.7	4,277.7	5,062.9	18.7	18.4
4. मानव निर्मित स्टेपल रेशे	356.4	421.4	565.8	18.3	34.2
5. ऊनी धागा, कपड़े, निर्मित वस्त्र आदि	89.6	110.0	151.5	22.8	37.8
6. रेडीमेड गारमेंट्स	10,705.6	11,601.8	13,688.7	8.4	18.0
7. जूट और जूट से बनी वस्तुएं	217.8	459.2	457.2	110.9	-0.4
8. कॉयर और कॉयर से बनी वस्तुएं	160.1	159.5	213.0	-0.4	33.6
9. कार्पेट	734.0	1,035.6	845.5	41.1	-18.4
(क) हस्त निर्मित कालीन (रेशम को छोड़कर)	725.4	1,033.0	841.5	42.4	-18.5
(ख) मिल में बने कालीन	0.0	0.0	0.0		
(ग) सिल्क कालीन	8.6	2.6	4.0	-70.0	56.0
उ. रत्न और आभूषण	**28,996.3**	**40,476.1**	**46,900.8**	**39.6**	**15.9**
ऊ. हस्तशिल्प	**224.8**	**256.9**	**233.5**	**14.3**	**-9.1**
III. पेट्रोलियम उत्पाद	**28,192.0**	**41,480.0**	**55,603.5**	**47.1**	**34.0**
IV. अन्य	**8,982.2**	**18,817.7**	**16,661.7**	**109.5**	**-11.5**
कुल निर्यात	**1,78,751.4**	**2,51,136.2**	**3,04,623.5**	**40.5**	**21.3**

अ : अनंतिम सं : संशोधित

टिप्पणी: कोष्ठकों के आंकड़े दी गई अवधि में कुल निर्यात के प्रतिशत से संबंधित हैं।

स्रोत: वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकी महानिदेशालय।

विवरण 3: भारत के विदेश व्यापार निर्यात की दिशा - निर्यात

(मिलियन अमरीकी डॉलर)

पण्य / समूह	अप्रैल-मार्च			प्रतिशत घटबढ़	
	2009-10	2010-11सं	2011-12	(3)/(2)	(4)/(3)
	1	2	3	4	5
I. आर्थिक विकास और सहयोग संगठन के सदस्य देश	**64,141.6**	**83,350.7**	**1,02,992.8**	**29.9**	**23.6**
अ. यूरोपीय संघ	**35,922.2**	**46,026.3**	**52,540.1**	**28.1**	**14.2**
जिसमें से:					
1. बेल्जियम	3,742.8	5,782.6	7,137.4	54.5	23.4
2. फ्रांस	3,793.9	5,199.0	4,600.9	37.0	-11.5
3. जर्मनी	5,402.9	6,745.3	7,917.6	24.8	17.4
4. इटली	3,387.7	4,543.6	4,851.1	34.1	6.8
5. नीदरलैंड्स	6,386.8	7,674.6	9,155.9	20.2	19.3
6. यूके	6,213.0	7,307.8	8,590.8	17.6	17.6
आ. उत्तरी अमरीका	**20,600.8**	**26,634.2**	**36,369.9**	**29.3**	**36.6**
1. कनाडा	1,121.5	1,347.6	2,038.3	20.2	51.3
2. सं. राज्य अमेरिका	19,479.4	25,286.6	34,331.7	29.8	35.8
इ. एशिया और ओशिआनिया	**5,251.4**	**6,991.3**	**9,099.2**	**33.1**	**30.2**
जिसमें से :					
1. ऑस्ट्रेलिया	1,382.5	1,712.6	2,491.0	23.9	45.5
2. जापान	3,613.3	5,088.2	6,356.0	40.8	24.9
ई. आर्थिक विकास और सहयोग संगठन के अन्य सदस्य	**2,367.2**	**3,698.9**	**4,983.6**	**56.3**	**34.7**
जिसमें से :					
1. स्विटजरलैंड	586.9	689.5	1,109.5	17.5	60.9
II. पेट्रोलियम निर्यातक देशों का संगठन	**37,648.6**	**53,502.0**	**57,955.5**	**42.1**	**8.3**
जिसमें से :					
1. इंडोनेशिया	3,078.3	5,689.9	6,686.6	84.8	17.5
2. ईरान	1,856.4	2,488.3	2,389.0	34.0	-4.0
3. इराक	477.1	674.9	775.8	41.5	14.9
4. कुवैत	782.1	1,854.0	1,181.3	137.1	-36.3
5. सऊदी अरब	3,910.4	4,674.1	5,663.0	19.5	21.2
6. संयुक्त अरब अमीरात	23,891.2	33,770.3	35,878.8	41.4	6.2
III. पूर्वी यूरोप	**1,793.3**	**2,813.5**	**3,239.8**	**56.9**	**15.1**
जिसमें से:					
1. रूस	977.4	1,691.4	1,784.8	73.0	5.5
IV. विकासशील देश	**70,099.8**	**96,039.8**	**1,24,041.2**	**37.0**	**29.2**
अ. एशिया	**53,242.4**	**70,069.3**	**90,144.6**	**31.6**	**28.7**
क. सार्क	**8,356.5**	**11,636.5**	**13,084.8**	**39.3**	**12.4**
1. अफ़गानिस्तान	464.5	421.6	507.5	-9.2	20.4
2. बांग्लादेश	2,424.2	3,237.9	3,804.0	33.6	17.5
3. भूटान	118.2	175.9	204.1	48.8	16.0
4. मालदीव	79.8	100.0	124.7	25.3	24.8
5. नेपाल	1,528.4	2,166.4	2,527.6	41.7	16.7
6. पाकिस्तान	1,572.6	2,031.3	1,547.6	29.2	-23.8
7. श्रीलंका	2,168.8	3,503.4	4,369.1	61.5	24.7
ख. अन्य एशियाई विकासशील देश	44,885.9	58,432.8	77,059.9	30.2	31.9
जिसमें से:					
1. चीनी गणराज्य	11,532.5	15,454.3	18,067.7	34.0	16.9
2. हांगकांग	7,862.1	10,323.9	12,912.6	31.3	25.1
3. दक्षिण कोरिया	3,399.2	3,723.4	4,311.6	9.5	15.8
4. मलेशिया	2,846.3	3,879.8	3,983.0	36.3	2.7
5. सिंगापुर	7,577.1	9,817.6	16,702.9	29.6	70.1
6. थाईलैंड	1,734.2	2,270.8	2,964.4	30.9	30.5
आ. अफ्रीका	**10,417.4**	**15,880.4**	**20,489.8**	**52.4**	**29.0**
जिसमें से:					
1. बेनिन	220.6	263.2	643.6	19.4	144.5
2. मिस्र अरब गणराज्य	1,399.2	1,981.1	2,447.5	41.6	23.5
3. केन्या	1,452.8	2,183.3	2,292.9	50.3	5.0
4. दक्षिण अफ्रीका	2,055.4	3,925.3	4,742.5	91.0	20.8
5. सूडान	459.9	488.2	711.4	6.1	45.7
6. तंज़ानिया	921.0	1,470.8	1,602.1	59.7	8.9
7. ज़ाम्बिया	88.2	118.3	212.0	34.2	79.2
इ. लैटिन अमरीकी देश	**6,440.1**	**10,090.1**	**13,406.8**	**56.7**	**32.9**
V. अन्य	**932.7**	**1,113.8**	**549.5**	**19.4**	**-50.7**
VI. अविनिर्दिष्ट	**4,135.4**	**14,316.4**	**15,844.8**	**246.2**	**10.7**
कुल निर्यात	**1,78,751.4**	**2,51,136.2**	**3,04,623.5**	**40.5**	**21.3**

अ. अनंतिम सं: संशोधित

टिप्पणी: कोष्ठकों के आंकड़े दी गई अवधि में कुल निर्यात के प्रतिशत से संबंधित हैं।

स्रोत : वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकी महानिदेशालय।

विवरण 4: भारत द्वारा प्रमुख पण्यों का आयात

(मिलियन अमरीकी डॉलर)

पण्य / समूह	अप्रैल - मार्च			प्रतिशत घटबढ़	
	2009-10	2010-11सं	2011-12	(3)/(2)	(4)/(3)
	1	2	3	4	5
I. थोक आयात	**1,25,315.1**	**1,51,167.1**	**2,14,754.6**	**20.6**	**42.1**
अ. पेट्रोलियम, पेट्रोलियम उत्पाद और संबंधित सामग्री	**87,135.9**	**1,05,964.4**	**1,54,905.9**	**21.6**	**46.2**
आ. थोक उपभोग माल	**9,012.7**	**8,854.8**	**11,614.4**	**-1.8**	**31.2**
1. गेहूँ	48.9	56.2	0.0	14.9	-
2. अनाज और अनाज से बनी वस्तुएं	55.8	63.5	70.1	13.8	10.3
3. खाद्य तेल	5,582.1	6,553.7	9,649.3	17.4	47.2
4. दालें	2,068.4	1,569.2	1,829.5	-24.1	16.6
5. चीनी	1,257.5	612.3	65.5	-51.3	-89.3
इ. अन्य थोक मदें	**29,166.5**	**36,347.9**	**48,234.3**	**24.6**	**32.7**
1. उर्वरक	**6,836.9**	**7,162.0**	**11,514.1**	**4.8**	**60.8**
क) कच्चा तेल	701.1	715.7	1,660.1	2.1	132.0
ख) सल्फर और अनरोस्टेड आयरन पाइराइट	143.7	241.3	486.1	67.9	101.5
ग) विनिर्मित माल	5,992.1	6,205.1	9,367.9	3.6	51.0
2. अलौह धातुएं	3,006.5	4,080.2	4,887.9	35.7	19.8
3. कागज, पेपरबोर्ड और अखबारी कागज सहित विनिर्मित वस्तुएं	1,504.1	2,110.0	2,582.0	40.3	22.4
4. सिंथेटिक उत्पाद सहित कच्चा रबड़	1,014.6	1,772.1	2,502.1	74.7	41.2
5. लुगदी और रद्दी कागज	880.7	1,143.1	1,377.1	29.8	20.5
6. धातुमय अयस्क और धातु स्क्रैप आदि	7,682.8	9,704.6	13,386.4	26.3	37.9
7. लोहा और इस्पात	8,240.9	10,375.9	11,984.9	25.9	15.5
II. थोक से इतर आयात	**1,63,057.7**	**2,18,602.0**	**2,74,662.8**	**34.1**	**25.6**
अ. पूंजीगत माल	**65,865.0**	**78,546.1**	**99,364.7**	**19.3**	**26.5**
1. धातु से निर्मित	2,402.1	3,328.9	4,284.3	38.6	28.7
2. मशीनी औजार	1,655.7	2,255.3	2,994.3	36.2	32.8
3. इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स से इतर मशीनरी	19,683.1	23,846.8	30,229.4	21.2	26.8
4. इलेक्ट्रॉनिक्स से इतर इलेक्ट्रिकल मशीनरी	3,113.4	3,843.0	4,774.7	23.4	24.2
5. कंप्यूटर सॉफ्टवेयर सहित अन्य इलेक्ट्रॉनिक वस्तुएं	22,635.7	27,690.3	34,257.3	22.3	23.7
6. परिवहन उपकरण	11,692.3	11,437.5	14,038.2	-2.2	22.7
7. परियोजना माल	4,682.8	6,144.4	8,786.4	31.2	43.0
आ. मुख्य रूप से निर्यात से संबद्ध मदें	**31,270.0**	**53,608.3**	**54,478.9**	**71.4**	**1.6**
जिसमें से :					
1. मोती, बहुमूल्य और कम कीमती पत्थर	16,162.1	34,588.9	30,511.7	114.0	-11.8
2. कार्बनिक और अकार्बनिक रसायन	11,903.2	15,220.8	18,953.7	27.9	24.5
3. वस्त्र धागे, कपड़ा आदि	2,562.4	3,217.1	3,890.9	25.6	20.9
4. काजू	642.4	581.5	1,113.8	-9.5	91.5
इ. अन्य	**65,922.8**	**86,447.6**	**1,20,819.3**	**31.1**	**39.8**
जिसमें से :					
1. सोना और चांदी	29,601.7	42,482.7	61,333.7	43.5	44.4
2. कृत्रिम रेज़िन और प्लास्टिक वस्तुएं आदि	4,990.1	6,870.5	7,532.8	37.7	9.6
3. इलेक्ट्रिकल से इतर व्यावसायिक उपकरण	3,616.3	4,214.0	5,272.0	16.5	25.1
4. कोयला, कोक और ब्रिकेट्स आदि	8,960.4	9,804.1	17,405.6	9.4	77.5
5. औषधीय और भेषज उत्पाद	2,099.1	2,439.3	3,001.7	16.2	23.1
6. रासायनिक सामग्री और उत्पाद	2,292.1	2,914.3	3,465.9	27.1	18.9
7. अधात्विक खनिज विनिर्मित वस्तुएं	1,080.8	1,523.2	2,069.7	40.9	35.9
कुल आयात	**2,88,372.9**	**3,69,769.1**	**4,89,417.4**	**28.2**	**32.4**
ज्ञापन मदें :					
तेल से इतर आयात	**2,01,237.0**	**2,63,804.7**	**3,34,511.5**	**31.1**	**26.8**
सोने और चांदी को छोड़कर तेल से इतर आयात	**1,71,635.3**	**2,21,322.0**	**2,73,177.8**	**28.9**	**23.4**
मुख्यतया औद्योगिक निविष्टियां*	**1,53,014.1**	**2,02,048.1**	**2,46,923.5**	**32.0**	**22.2**

अ. : अनंतिम सं. : संशोधित

* : सोने और चांदी, थोक उपभोक्ता माल, विनिर्मित उर्वरक और व्यावसायिक उपकरणों को छोड़कर अन्य गैर-तेल आयात।

टिप्पणी: कोष्ठकों के आंकड़े दी गई अवधि में कुल निर्यात के प्रतिशत से संबंधित हैं।

स्रोत: वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकी महानिदेशालय।

विवरण 5 : भारत के विदेशी व्यापार की दिशा - आयात

(मिलियन अमरीकी डॉलर)

समूह / देश	अप्रैल - मार्च			प्रतिशत घटबढ़	
	2009-10	2010-11सं	2011-12	(3)/(2)	(4)/(3)
	1	2	3	4	5
I. आर्थिक विकास और सहयोग संगठन के सदस्य देश	**94,143.0**	**1,13,157.0**	**1,45,198.4**	**20.2**	**28.3**
अ. यूरोपीय संघ	**38,348.3**	**44,505.5**	**57,275.6**	**16.1**	**28.7**
जिसमें से:					
1. बेल्जियम	6,000.0	8,598.9	10,434.7	43.3	21.3
2. फ्रांस	4,179.5	3,701.9	3,843.2	-11.4	3.8
3. जर्मनी	10,304.0	11,881.7	15,725.2	15.3	32.3
4. इटली	3,851.8	4,256.7	5,407.6	10.5	27.0
5. नीदरलैंड्स	2,118.0	1,848.4	2,702.7	-12.7	46.2
6. यूके	4,452.8	5,390.8	7,566.5	21.1	40.4
आ. उत्तरी अमरीका	**19,083.5**	**22,079.9**	**25,965.2**	**15.7**	**17.6**
1. कनाडा	2,098.1	2,028.7	2,569.4	-3.3	26.6
2. सं. राज्य अमेरिका	16,985.4	20,051.2	23,395.8	18.0	16.7
इ. एशिया और ओशिआनिया	**19,585.4**	**20,049.5**	**27,892.6**	**2.4**	**39.1**
जिसमें से :					
1. ऑस्ट्रेलिया	12,364.7	10,795.6	14,842.5	-12.7	37.5
2. जापान	6,722.5	8,627.5	12,223.8	28.3	41.7
ई. आर्थिक विकास और सहयोग संगठन के अन्य सदस्य	**17,125.8**	**26,522.2**	**34,065.0**	**54.9**	**28.4**
जिसमें से :					
1. स्विटजरलैंड	14,592.6	24,743.9	32,265.6	69.6	30.4
II. पेट्रोलियम निर्यातक देशों का संगठन	**92,360.5**	**1,24,067.8**	**1,73,445.7**	**34.3**	**39.8**
जिसमें से :					
1. इंडोनेशिया	8,643.8	9,906.4	14,584.4	14.6	47.2
2. ईरान	11,516.0	10,913.5	13,640.2	-5.2	25.0
3. इराक	7,013.1	8,993.6	18,916.1	28.2	110.3
4. कुवैत	8,217.8	10,310.2	16,518.8	25.5	60.2
5. सऊदी अरब	17,002.2	20,379.6	31,091.7	19.9	52.6
6. संयुक्त अरब अमीरात	19,349.2	32,729.3	35,638.4	69.2	8.9
III. पूर्वी यूरोप	**6,157.3**	**5,716.6**	**8,563.5**	**-7.2**	**49.8**
जिसमें से:					
1. रूस	3,567.2	3,603.1	4,750.6	1.0	31.8
IV. विकासशील देश	**93,716.9**	**1,22,125.7**	**1,57,850.1**	**30.3**	**29.3**
अ. एशिया	**73,936.7**	**1,00,104.7**	**1,26,512.1**	**35.4**	**26.4**
क. सार्क	**1,651.8**	**2,170.2**	**2,487.2**	**31.4**	**14.6**
1. अफ़गानिस्तान	124.4	145.3	120.9	16.8	-16.8
2. बांग्लादेश	254.1	445.9	583.5	75.5	30.9
3. भूटान	152.4	201.3	203.4	32.1	1.0
4. मॉलदीव	3.6	31.9	19.2	786.7	-39.8
5. नेपाल	452.4	513.4	420.5	13.5	-18.1
6. पाकिस्तान	275.0	332.3	422.8	20.8	27.2
7. श्रीलंका	389.9	500.1	716.9	28.3	43.3
ख. अन्य एशियाई विकासशील देश	**72,284.8**	**97,934.5**	**1,24,024.9**	**35.5**	**26.6**
जिसमें से:					
1. चीनी गणराज्य	30,783.8	43,474.1	57,633.1	41.2	32.6
2. हांगकांग	4,703.9	9,399.2	10,615.5	99.8	12.9
3. दक्षिण कोरिया	8,547.2	10,471.9	13,138.5	22.5	25.5
4. मलेशिया	5,162.8	6,528.6	9,552.9	26.5	46.3
5. सिंगापुर	6,454.7	7,143.1	8,474.8	10.7	18.6
6. थाईलैंड	2,927.4	4,271.0	5,417.8	45.9	26.8
आ. अफ्रीका	**12,383.1**	**13,208.0**	**19,478.6**	**6.7**	**47.5**
जिसमें से:					
1. बेनिन	125.9	153.7	272.9	22.1	77.5
2. मिस्र अरब गणराज्य	1,693.8	1,351.5	3,001.3	-20.2	122.1
3. केन्या	79.3	124.3	118.2	56.7	-4.9
4. दक्षिण अफ्रीका	5,670.0	7,138.6	9,941.7	25.9	39.3
5. सूडान	473.3	612.9	426.9	29.5	-30.4
6. तंज़ानिया	235.8	325.2	238.2	37.9	-26.7
7. ज़ाम्बिया	101.3	31.9	173.3	-68.5	443.5
इ. लैटिन अमरीकी देश	7,397.1	8,813.0	11,859.4	19.1	34.6
V. अन्य	**1,048.5**	**395.8**	**219.1**	**-62.3**	**-44.6**
VI. अविनिर्दिष्ट	**946.8**	**4,306.3**	**4,140.6**	**354.8**	**-3.8**
कुल आयात	**2,88,372.9**	**3,69,769.1**	**4,89,417.4**	**28.2**	**32.4**

अ. : अनंतिम सं. : संशोधित न. : नगण्य

स्रोत: वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकी महानिदेशालय।